सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 53 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 27 मार्च, 2024

मूल्य ₹ 3/-

यदि बोलने की स्वतंत्रता छीन ली जाये तो शायद गूंगे और मौन हम उसी तरह संचालित होंगे जैसे भेड़ को बलि के लिए ले जाया जा रहा हो।

-जार्ज वाशिंगटन

शिवम-रचिन के खेल से चेन्नई फिर... 7 | यूपी, बिहार व बंगाल पर गड़ाई... 3 | भाजपा की आंखों का पानी मर... 2

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ कोर्ट से लेकर सड़क तक बवाल

» पत्नी सुनीता ने संभाला मोर्चा, पढ़ा सीएम का संदेश

» सड़क पर आप व भाजपा में नोक-झोंक, विस में हंगामा

» हाईकोर्ट में अरविंद केजरीवाल मामले पर चल रही सुनवाई

» सीएम और ईडी के वकील के बीच तीखी बहस

» आप का आरोप-जानबूझकर सुनवाई में विलंब करना चाहती है ईडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईडी की गिरफ्तारी में आए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को लेकर कोर्ट, घर, विधानसभा व सड़क तक संग्राम मचा हुआ है। जहां दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है वहीं सीएम की पत्नी ने उनका संदेश पढ़कर कर आम जनता को सुनाया और बताया कि वह जल्द कई खुलासे करेंगे।

उधर पूरे देश में बीजेपी के खिलाफ आप ने मोर्चा खोल दिया। बुधवार को विधान सभा का सत्र शुरू हुआ पर हंगामे की वजह से 1 अप्रैल तक स्थगित हो गया। वहीं आप ने कहा कि ईडी मामले को लटकाना चाहती है। देश के हर कोने में आप कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। ज्ञात हो कि ये याचिका ईडी द्वारा गिरफ्तारी और निचली अदालत द्वारा रिमांड पर भेजे जाने के फैसले को चुनौती देने से जुड़ी है। मामले पर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच सुनवाई कर रही है। इस दौरान ईडी ने कहा कि याचिका की कॉपी उनको कल ही मिली है, इसीलिए जवाब देने के लिए उनको 3 हफ्ते का समय चाहिए। केजरीवाल का पक्ष दिल्ली हाई कोर्ट में सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनको कुछ अहम बात कहनी है। इस पर ईडी का पक्ष रख रहे एसजी एस वी राजू ने कहा कि बहुत सी बातें जरूरी बातें हो सकती हैं।

दिल्ली में आप नेता दीपक सिंगला के घर ईडी की रेड

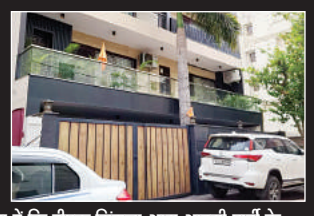

आम आदमी पार्टी के नेताओं को प्रवर्तन निदेशालय से फिलहाल राहत नहीं मिली है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पार्टी नेता दीपक सिंगला के घर पर रेड की जा रही है। बता दें कि दीपक सिंगला आम आदमी पार्टी के पूर्व विधानसभा उम्मीदवार हैं। वह विश्वास नगर सीट से पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद यह दूसरे नेता हैं जिनके घर पर छापेमारी की जा रही है। बता दें कि दीपक सिंगला आम आदमी पार्टी के एमसीडी के सह प्रभारी होने के साथ-साथ महाराष्ट्र और गोवा में पार्टी प्रभारी भी हैं, दीपक सिंगला के मधु विहार स्थित घर में छापेमारी हुई।

कथित शराब घोटाले का पैसा कहां है, 28 मार्च को सीएम केजरीवाल कोर्ट में करेंगे खुलासा : सुनीता केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि कल शाम मैं जेल में दिल्ली सीएम से मिली, उन्हें डायबिटीज है और शुगर लेवल भी ठीक नहीं। लेकिन उनका निश्चय मजबूत है। दो दिन पहले ही उन्होंने दिल्ली की मंत्री आतिशी को भी संदेश भेजा था कि लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाए। इसमें क्या गलत किया, लेकिन इस बात पर भी उन पर केस कर दिया गया क्या ये लोग दिल्ली की तबाही चाहते हैं? क्या ये चाहते हैं कि लोग समस्या से ही जूझते रहे, इस बात से दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को बेहद पीड़ा हुई। उन्होंने एक बात मुझे और कही कि कथित शराब घोटाले मामले में ईडी ने पिछले 2 साल में 250 से ज्यादा रेड की। वो इस कथित घोटाले का पैसा खोज रहे हैं। अभी तक हुई किसी रेड में एक पैसा नहीं मिला। मनीष, सतेंद्र और संजय सिंह के यहां रेड हुई पर एक भी पैसा नहीं मिला। इस कथित घोटाले का पैसा कहां है। उन्होंने ने कहा कि वो इसका खुलासा 28 मार्च को कोर्ट के सामने करेंगा। सारे देश को पूरा सच बताएंगे कि इस कथित घोटाले का पैसा कहां है और उसका सबूत भी देंगे, वो बहुत सच्चे, देशभक्त, निडर और साहसी व्यक्ति है।

अंतिम दिन कई उम्मीदवारों ने भरे नामांकन

» पहचे चरण के लिए 102 सीटों पर चुनाव लड़ रहीं सभी प्रमुख पार्टियां

» वोट 19 अप्रैल को डाले जाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण के नामांकन की अंतिम तिथि 27 मार्च है। पहले चरण में 102 लोकसभा सीटों पर मतदान होने हैं। पहले चरण में ही अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा चुनाव भी आयोजित किए जाने हैं। पहले चरण के लिए मतदान 19 अप्रैल को डाले जाएंगे। लोकसभा की 102 सिम जो 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की है जिनके लिए इस दिन मतदान होगा। वहीं इन सभी लोकसभा सीटों के लिए नामांकन भरने की अंतिम तिथि 27 मार्च है।

हालांकि चुनाव आयोग ने त्योहारों के कारण बिहार राज्य को राहत देते हुए नामांकन की अंतिम तिथि 28 मार्च तय की है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए और विपक्षी पार्टियों के इंडिया ब्लॉक के बीच हो रहा है। बता देगी पहले चरण में भाजपा 77 सीटों पर लड़ रही है जबकि 23 सीटों पर एनडीए की अन्य समर्थन करने वाली परियां चुनाव लड़ेंगे। भाजपा और एनडीए दोनों मिलकर अब तक 101 सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं जबकि एक सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा करना शेष है। इंडिया ब्लॉक की बात करें तो कांग्रेस के खेमे में 57 सीट है आई है। बताने की पहले चरण के चुनाव के लिए इंडिया ब्लॉक ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इंडियन ब्लॉक की अन्य पार्टियों कल 42 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरेंगी।

भाजपा सरकार की सच्चाई जान गया है युवा : प्रियंका

» बोलीं- देश समझ चुका है बीजेपी रोजगार नहीं दे सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि देश का हर युवा समझ चुका है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) रोजगार नहीं दे सकती। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भारत के कुल कार्यबल में जितने बेरोजगार हैं, उनमें 83 प्रतिशत युवा हैं, कुल बेरोजगारों में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी 2000 में 35.2 प्रतिशत थी। 2022 में यह 65.7 प्रतिशत यानी लगभग दोगुनी हो गई है।

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार कह रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी की समस्या हल नहीं कर सकती। प्रियंका गांधी ने दावा किया, यही भाजपा सरकार की सच्चाई है, आज देश का हर युवा समझ चुका है कि भाजपा रोजगार नहीं दे सकती। उन्होंने कांग्रेस के चुनावी वादों का उल्लेख करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी के पास युवाओं को रोजगार देने की ठोस योजना है।

भाजपा की आंखों का पानी मर चुका है : अखिलेश

सपा अध्यक्ष ने सोनम वांगचुक के अनशन को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

» जेएनयू में पीडीए की जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने लद्दाख को राज्य दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में आमरण अनशन कर रहे जलवायु के क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को समर्थन देने की घोषणा की। यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वांगचुक का समर्थन करते हुए पोस्ट कर कहा, पानी और नमक के सहारे अनशन करने वालों का महत्व वो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) क्या समझेगी, जिसकी आंख का पानी मर गया है और जो नमक का कर्ज तक चुकाना नहीं जानते।

उन्होंने कहा, देश की जनता सोनम वांगचुक जी द्वारा लद्दाख और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए किए जा रहे संघर्ष में हर तरह से उनके साथ है। यादव ने कहा, भाजपा के अहंकार ने उसकी देखने, सुनने और समझने की शक्ति छीन ली है। ए भाजपा का पतनकाल है। सोनम वांगचुक लद्दाख को पूर्णकालिक राज्य बनाने और उसकी पारिस्थितिकी को खनन गतिविधियों से बचाने की मांग को लेकर पिछले 20 दिन से आमरण अनशन कर रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जेएनयू में पीडीए ने जीत हासिल की है। इसी तरह जनता लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को हरा देगी। उन्होंने चुनाव में जीत के लिए मतदान भी-सावधान भी का मंत्र दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि जेएनयू के छात्रसंघ चुनाव में पीडीए की एकजुटता की जीत हुई है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि पीडीए की एकजुटता ने जेएनयू छात्र संघ चुनाव में समेकित रूप से सभी महत्वपूर्ण पदों पर जीत हासिल की है और भाजपा समर्थित एबीवीपी को भारी अंतर से बुरी तरह हराया है। दलित अध्यक्ष सहित सभी विजयी पदाधिकारियों और उन्हें चुनने वाले सजग, सतर्क मतदाता विद्यार्थियों को भी बहुत बधाई और जेएनयू की नकारात्मक छवि बनाने वालों को आगे भी यूं ही हराते रहने व देशहित में सकारात्मक राजनीति का झंडा फहराते रहने के लिए शुभकामनाएं! जेएनयू के छात्रों की तरह देश भर के युवा आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा राज में फैली 'अभूतपूर्व बेरोज़गारी', पेपर लीक होने की वजह से कहीं 'नौकरी न मिलने की हताशा' और 'इलेक्टोरल बॉण्ड' के रूप में फैले भाजपा के 'अथाह भ्रष्टाचार' को हमेशा के लिए दूर करने के लिए, महंगी पढ़ाई और चतुर्दिक महंगाई से त्रस्त अपने परिवारों और आसपास के लोगों को भी भाजपा के खिलाफ मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे।

मतदाताओं को डराने की तैयारी : अजय सागर

सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर ने कहा कि जिला स्तर पर सपा ने रामपुर सीट से चुनाव का बहिष्कार किया है। इस चुनाव में भी पिछले चुनावों की तरह मतदाताओं को डराने की तैयारी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रामपुर सीट के लिए जो फैसला करेंगे सभी को मंजूर होगा।

रामपुर लोस सीट पर सपा ने दिल्ली जामा मस्जिद के इमाम को मिल सकता है टिकट

समाजवादी पार्टी ने रामपुर लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। सूत्रों के मुताबिक सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सपा-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में दिल्ली की जामा मस्जिद के इमाम मुहिब्बुलाह को रामपुर से टिकट दिया है। रामपुर लोकसभा सीट से एसटी हसन को उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन मुहिब्बुलाह के नाम के एलान के बाद सभी अटकलों पर विराम लग गया है। सपा प्रत्याशी मुहिब्बुलाह आज लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन भरेंगे। दिल्ली से वह देर रात रामपुर पहुंच गए थे।

हालांकि टिकट मिलने की आधिकारिक घोषणा अभी बाकि है, कुछ ही देर में घोषणा की जा सकती है। बता दें वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में रामपुर से आजम खां ने जीत हासिल की थी, किंतु बाद में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद हुए उपचुनाव में भाजपा के घनश्याम लोधी ने यहां से जीते थे। इस बार भी भाजपा ने घनश्याम लोधी को ही रामपुर से टिकट दिया है।

केरल के सीएम विजयन पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो : कृष्णदास

» भाजपा और मार्क्सवादी नेता में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पलक्कड़ (केरल)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के के हालिया भाषणों को लेकर उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की। भाजपा ने आरोप लगाया कि विजयन का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय में असुरक्षा पैदा करना और उनके बीच धर्मांधता को बढ़ावा देना है।

वरिष्ठ भाजपा नेता पी. के कृष्णदास ने मार्क्सवादी नेता पर केंद्र द्वारा लागू सीएए के खिलाफ अपने भाषणों के माध्यम से समाज में विभाजन पैदा करने और धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

भाजपा मुस्लिमों को पाकिस्तान भगाना चाहती है : विजयन

कृष्णदास ने मलप्पुरम में सोमवार को आयोजित सीएए विरोधी रैली के दौरान विजयन द्वारा दिए गए बयानों का संदर्भ देते हुए कहा कि ये वही तर्क थे जो मोहम्मद अली जिन्ना ने दशकों पहले दो राष्ट्रों की मांग करते हुए दिए थे। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में मुसलमान दोयम दर्जे के नागरिक है और केंद्र सरकार, भाजपा और आरएसएस उनकी नागरिकता निलंबित करके उन्हें पाकिस्तान में भगाने की कोशिश कर रहे है। भाजपा नेता ने कहा कि उनकी भाषा में जिन्ना की विचारधारा की झलक मिलती है क्योंकि उन्होंने भी कहा था कि मुसलमान भारत में दोयम दर्जे के नागरिक है और असुरक्षित है, इसलिए उनके लिए एक अलग राष्ट्र होना चाहिए। उन्होंने कहा, विजयन वही दोहरा रहे थे जो जिन्ना ने कहा था...उनके शब्द राष्ट्रविरोधी थे। इसलिए, उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने विजयन पर मुसलमानो और ईसाई और हिंदू समुदायों के बीच विभाजन पैदा करके सांप्रदायिक दंगे का मार्ग प्रशस्त करने का भी आरोप लगाया।

फूंक-फूंक कर कदम रख रही हैं मायावती

» बरेली में बसपा जल्द करेगी प्रत्याशी का एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। लोकसभा चुनाव के लिए बसपा प्रमुख मायवाती फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। वह यूपी के कई सीटों पर पूरे समीकरण देखकर ही प्रत्याशी घोषित कर रही हैं। इसबार बरेली में लोकसभा चुनाव की बिसात पर अब बसपा की चाल का इंतजार है। सपा-कांग्रेस गठबंधन के बाद भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिया है, लेकिन बसपा ने अभी पत्ते नहीं खोले हैं। ऐसे में हर तरफ अलग-अलग कयास लगाते हुए समीकरणों का अनुमान लगाया जा रहा है। माना जा रहा है कि अब पार्टी जल्द अपना रुख स्पष्ट करेगी।

वैसे आसपास की अन्य सीटों पर बसपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। बरेली की सीट के लिए कई उम्मीदवार पार्टी में हाथ-पैर मार रहे हैं। हालांकि, जिला संगठन ने प्राप्त आवेदनों में से पांच नाम पार्टी नेतृत्व को भेज दिए हैं। इसमें दो उम्मीदवार मुस्लिम हैं। कौन सा चेहरा बसपा का प्रतिनिधित्व करेगा? ये पार्टी आलाकमान से तय होगा। बसपा जिलाध्यक्ष राजीव सिंह का कहना है कि जो आवेदन मिले थे। उनपर पार्टी नेतृत्व मंथन कर रहा है। जल्द उम्मीदवार घोषित हो सकता है। बरेली लोकसभा सीट पर बसपा ने 1996 में पहली बार प्रत्याशी उतारा था। फिर वर्ष 1998, 1999, 2004, 2009, 2014 में भी स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा। वर्ष 2019 में सपा-बसपा गठबंधन के चलते सपा ने उम्मीदवार उतारा। इस दौरान छह में चार बार बसपा से मुस्लिम चेहरा उम्मीदवार था। वहीं, आंवला लोकसभा सीट पर 1996 से अब तक बसपा ने छह स्वतंत्र चुनाव लड़े थे। अबकी बार मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में उतारा है।

मुस्लिम पर दांव लगा सकती है बसपा

पार्टी से मुस्लिम चेहरे पर दांव लगने की संभावना ज्यादा है। क्योंकि शहर में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या पर्याप्त है और इनकी संख्या करीब आठ लाख है। वहीं अन्य दलों ने दूसरे समीकरणों से अलग प्रत्याशी उतारे हैं। सपा व कांग्रेस गठबंधन ने प्रवीण सिंह ऐरन को प्रत्याशी बनाया है और भाजपा ने उम्र की बाधा के चलते आठ बार जीत चुके संतोष गंगवार का टिकट काटकर छत्रपाल गंगवार को उम्मीदवारी सौंपी है। ऐसे में चुनाव को रोचक बनाने के लिए मुस्लिम प्रत्याशी बसपा उतार सकती है। वैसे भी बसपा ने जिले की ही आंवला लोकसभा सीट से सपा छोड़कर आए आबिद अली को उम्मीदवार बनाया है। आबिद कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा सांसद की तारीफ करने को लेकर चर्चा में आए थे।

मोदी तमिलनाडु के मछुआरों की कर रहे अनदेखी : स्टालिन

» प्रधानमंत्री विश्व गुरु हैं या मौन गुरु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीलंका द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों पर हमले को केवल देख रहे हैं, जिसने राज्य के मछुआरों के खिलाफ अघोषित युद्ध छेड़ रखा है। स्टालिन ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सवाल किया कि मोदी तमिलनाडु के मछुआरों के खिलाफ हमलों पर श्रीलंका से सवाल करने में क्यों झिझक रहे हैं।

स्टालिन ने सवाल किया कि यदि गुजरात के मछुआरों पर पाकिस्तान द्वारा हमला किया जाए तो क्या मोदी चुप रहेंगे। उन्होंने सवाल किया, आप (मोदी) एक बड़े विश्व गुरु हैं, क्या आप तमिलनाडु के मछुआरों पर हमले के लिए श्रीलंका की निंदा नहीं कर सकते। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने मोदी का मखौल उड़ाते हुए सवाल किया कि प्रधानमंत्री मोदी विश्व गुरु हैं या मौन गुरु। उन्होंने कहा कि मछुआरों पर श्रीलंकाई हमलों पर तमिलनाडु के मछुआरे प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांग रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

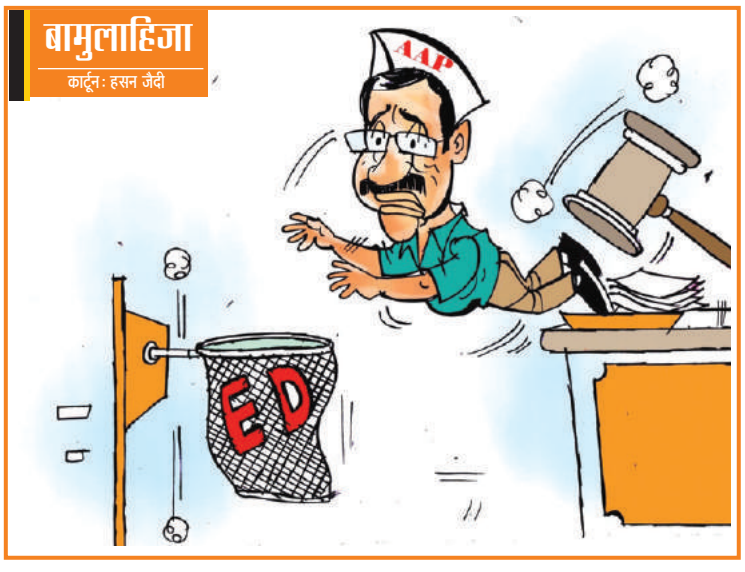

यूपी, बिहार व बंगाल पर गड़ाई नजर

उप्र में सपा की भाजपा से सीधी जंग, कांग्रेस काडर में जोश

- गठबंधनों का मजबूती देने पर फोकस
- कांग्रेस व बीजेपी ने संभाले मोर्चे
- यूपी में कांग्रेस नहीं हो पा रही खड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के सहयोगी व बीजेपी के साथी इन सबने यूपी, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र समेत दक्षिण पर ज्यादा जोर देना शुरू कर दिया सब चाहते हैं कि इन राज्यों में ज्यादा से सीटों पर वे कब्जा कर लें। यूपी में जहां सत्ता पर काबिज बीजेपी 80-की 80 सीटों पर नजरें गड़ाए है। वह दावा कर ही है कि वह साारी लोक सभा सीटें अपनी झोली में डाल लेगी। इसके लिए वह हर प्रकार हथकंडे अपनाने में लग गई है। वहीं विपक्षी गंठबंधन इंडिया ने भी कमर कस लिया है। सपा ने जहां कुछ सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं तो वहीं पर कांग्रेस में स्थिती थोड़ा खराब नजर आ रही है। लोकसभा चुनाव सिर पर आग गए हैं पर कांग्रेस में प्रत्याशी अबी भी असमंजस में है। राज्यसभा में यूपी से कांग्रेस का एक भी सदस्य नहीं है। यूपी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी राज्यसभा में राजस्थान की नुमाइंदगी कर रहे हैं। यूपी विधान परिषद में भी कांग्रेस का एक भी सदस्य नहीं रह गया है। इसके बावजूद ऐसा नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस पूरी तरह से शक्तिविहीन हो गई है।

कांग्रेस की यूपी की विधानसभा में अब भी उसके दो विधायक हैं। पर, इस कड़वी हकीकत से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कभी लोकसभा की 85 (उत्तराखंड भी यूपी में था) सीटों में से 83 सीट जीतकर इतिहास रचने वाली कांग्रेस के पास आज यूपी में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए एक भी सिटिंग सांसद नहीं है। पार्टी लगातार अपना जनाधार खोती जा रही है। एक-एक कर हर तरह के प्रयोग और समझौते कर चुकी पार्टी 80 सीटों वाले राज्य में आजादी के बाद सबसे कम सिर्फ 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की हैसियत में आ गई है। उसे समाजवादी पार्टी के जूनियर साथी की हैसियत में रहकर यहां चुनाव लड़ना पड़ रहा है। यही नहीं, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने इस बार रायबरेली के मैदान से खुद को बाहर कर लिया है। पार्टी की आखिरी उम्मीद प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी के तौर पर लड़की हूं लड़ सकती हूं जैसा भावनात्मक प्रयोग आजमा लिया। पर, प्रदेश के कांग्रेसियों की लाख मनुहार के बाद भी वह यूपी से चुनाव लड़ेंगी, अभी तक साफ नहीं है। बेहद कठिन दौर से गुजर रही कांग्रेस इस चुनाव में यूपी से अपनी मौजूदा संख्या एक को आगे बढ़ा पाएगी तो कितना या 1977 और 1998 वाला शून्य का इतिहास दोहराएगी, यही सबसे बड़ा सवाल है। 1977 और 1998 में प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का खाता तक नहीं खुल सका था।

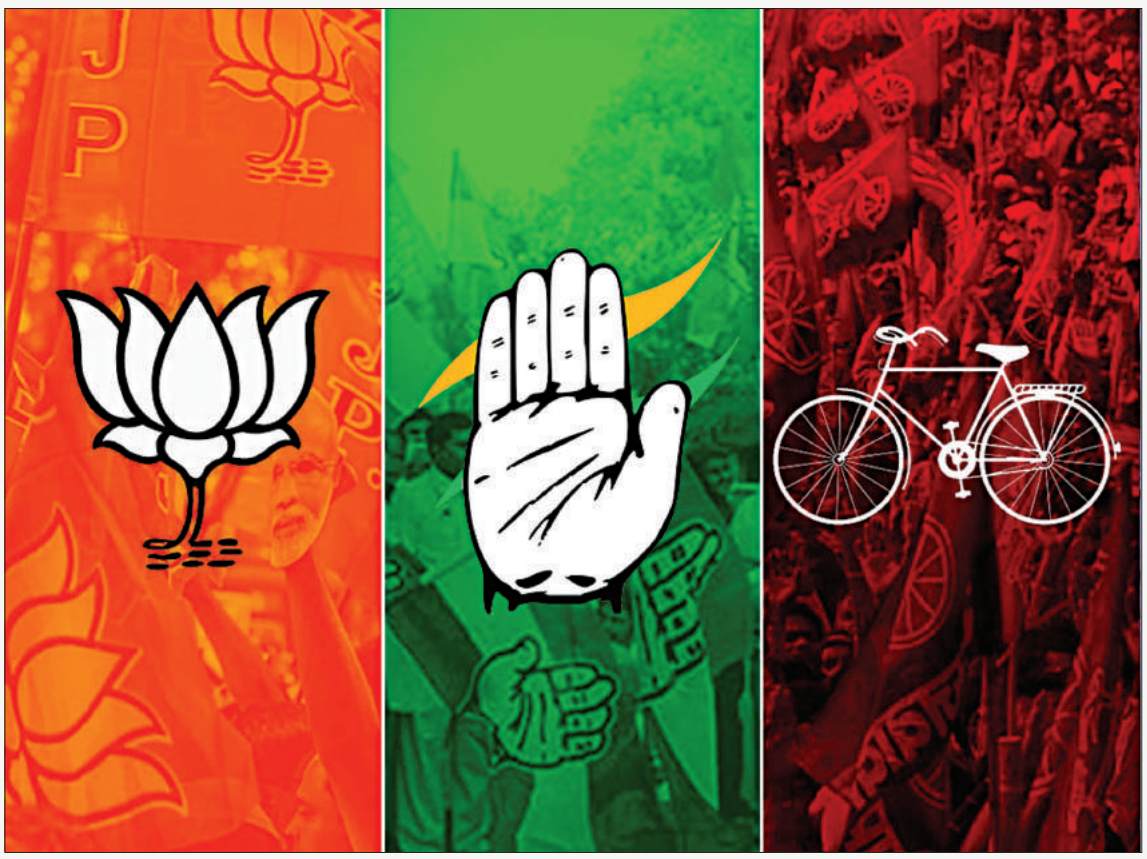

चुनावी फायदे के लिए बंगाल को निशाना बनाया जा रहा : तृणमूल

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में चार जिलाधिकारियों का तबादला उसके रुख की पुष्टि करता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)पिछले राज्य चुनाव में लोगों की ओर से खारिज किए जाने के बाद निर्वाचन आयोग का इस्तेमाल कर रही है।निर्वाचन आयोग ने कई राज्यों के गैर-कैडर जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को इस आधार पर हटा दिया कि ए पद क्रमशः भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों के लिए हैं। इस सूची में पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पूर्वी बर्द्धमान और बीरभूम जिलों के जिलाधिकारी के नाम भी शामिल हैं। इससे पहले 19 मार्च को निर्वाचन आयोग ने 24 घंटे से भी कम समय में पूर्व में नियुक्त विवेक सहाय को हटाकर संजय मुखर्जी को राज्य का पुलिस महानिदेशक बना दिया था। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी राजीव कुमार को गैर-चुनाव संबंधी पद पर स्थानांतरित करने के आयोग के निर्देश के बाद सहाय को उस पद पर नियुक्त किया था।

झूठे विज्ञापनों से भ्रम फैला रही भाजपा : कांग्रेस

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर वाले विज्ञापनों और मोदी का परिवार संबंधी प्रचार सामग्री के खिलाफनिर्वाचन आयोग का रुख किया और उचित कार्रवाई की मांग की। पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के समक्ष छह सूत्री विषय रखे और कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन किया जा रहा है। कांग्रेस के इस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक और सलमान खुर्शीद तथा सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत शामिल थीं। निर्वाचन आयोग के समक्ष सौंपे गए ज्ञापन में कांग्रेस ने कहा, भाजपा के झूठे विज्ञापनों में 2जी आवंटन मुद्दे को उछाला गया है.... भाजपा एक दशक पुराने विमर्श को पूरी तरह से आगे बढ़ा रही है, जबकि व्यापक न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से उसका यह विमर्श ध्वस्त हो चुका है। उसने आयोग से आग्रह किया कि इस तरह के विज्ञापन को हटाया जाए तथा इसे बनाने एवं देने वालों के खिलाफ कार्वाई हो।मुख्य विपक्षी दल ने मोदी का परिवार संबंधी विज्ञापनों के खिलाफ भी शिकायत की है। उसने दावा किया, इसमें आधिकारिक संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है... विज्ञापनों में सशस्त्र बलों का उपयोग आयोग के कई निर्देशों का उल्लंघन है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम का पत्र व्हाट्सएप के जरिए भेजे जाने का मुद्दा उठाया और कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए कि इस तरह के प्रचार के लिए पीएमओ के लैटरहेड का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

चुनौती से होना होगा पार

2019 में सिर्फ सोनिया जीतीं, राहुल तक हारे, वोट शेयर 6.36 प्रतिशत था। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 80 में से 67 सीटों पर रायबरेली में सोनिया गांधी की सीट जीत पाई थी। तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी परंपरागत अमेठी सीट केंद्रीय मंत्री स्मृति जूबिन इरानी से हार गए थे। 22 में सर्फ दो विधायक जीते, वोट शेयर 2.33प्रशित था। प्रदेश की अधिकतम सीटें जीतने का रिकॉर्ड बनाने वाली कांग्रेस की सियासी हैसियत का अंदाजा सिर्फ इससे लगा सकते हैं कि प्रदेश में सबसे नजदीक 2022 में हुए विधानसभा चुनावों में उसके सिर्फ दो विधायक ही जीत पाए। पार्टी का जनाधार मात्र 2.33 प्रतिशत वोट तक सिमट गया।2024 में जिन 17 सीटों पर मैदान में, कई पर जमानत हो गई थी जब्त। समाजवादी पार्टी से गठबंधन में जो 17 सीटें कांग्रेस को मिली हैं, पिछले चुनाव में उनमें से कई सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। इन सीटों में अमरोहा, गाजियाबाद, फतेहपुर सीकरी, झांसी, बाराबंकी, इलाहाबाद, महाराजगंज, देवरिया और वाराणसी शामिल हैं।

बिहार में लालू का जलवा, सिंबल बांट रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बने विपक्षी दलों के इंडी एलायंस का नेतृत्व कांग्रेस को दिया गया, लेकिन बिहार में सिक्का चल रहा महागठबंधन का। यानी, यहां राष्ट्रीय जनता दल के हिसाब से सबकुछ होना है। । अब दो दिनों से राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव महागठबंधन के दलों में सीट बंटवारे का एलान हुए बगैर अपनी पार्टी के नेताओं को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए सिंबल दे रहे हैं। कितने सिंबल बंट चुके, मगर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष इसकी जानकारी नहीं होने की बात कह रहे। इस बीच, अब भारतीय कॉम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने बताया है कि तेजस्वी यादव से उनकी बात हो गई है और बेगूसराय सीट सीपीआई को मिल गया है। उन्होंने प्रत्याशी के नाम की भी घोषणा कर दी। दो दिनों से राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव महागठबंधन के दलों में सीट बंटवारे का एलान हुए बगैर अपनी पार्टी के नेताओं को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए सिंबल बांट रहे हैं। इसको लेकर महागठबंधन में सीट बंटवारे पर जब बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से सवाल पूछा गया तब उन्होंने झल्लाते हुए मीडिया को जवाब दिया कि आपसे पूछकर तो सीट बंटवारा नहीं किया जाएगा न। उन्होंने कहा कि यह सब बात आपलोगों से करने की नहीं है। जब बंटवारा पर बात फाइनल हो जाएगा तो आपलोगों को इसकी जानकारी दे दी जाएगी। फिर जब अखिलेश प्रसाद सिंह से राष्ट्रीय जनता दल द्वारा लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों को सिंबल देने पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस मामले में मुझे जानकारी नहीं है।

यूपी में भाजपा व सपा में कांटे की टक्कर

बदायूं जिले में दो मासूम बच्चों की हत्या के मामले में सियासत शुरू हो गई है। सपा-कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है। भाजपा ने भी पलटवार करते हुए हमला बोला है। बदायूं कांड पर वार-पलटवार का दौर जारी है। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाते हुए पोस्ट की है। इसमें लिखा है कि भाजपा यूपी में दंगा फसाद सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है और इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही और जिलों में सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही जिसका परिणाम बदायूं की घटना है। भाजपा जब जनता के असल मुद्दों से हार चुकी है तो धार्मिक विवाद ,धार्मिक लड़ाई ही भाजपा का आखिरी हथियार बची है। भाजपा के इशारे पर ही कई गुंडे बदमाश खुले घूम रहे और भाजपा के इशारे पर ही ऐसी वारदातें कर रहे जिसके कारण समाज में लड़ाई झगड़ा बढ़ रहा है। वहीं, बदायूं डबल मर्डर केस पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी का कहना है कि मैं बेहद दुखी हूं, मेरे पास इस घटना की निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं। मैं एक बात कहना चाहता हूं कि दोषियों और समर्थन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा यूपी में दंगा फसाद सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है और इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही और जिलों में सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही जिसका परिणाम बदायूं की आज की घटना है। वहीं भाजपा ने कहा है कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई हुई है। भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि सपा ही अपराधियों को संरक्षण देती है, भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बदायूं की घटना पर कहा कि समाजवादी पार्टी घटिया राजनीति कर रही है, उन्होंने कहा कि अगर सपा की सरकार होती तो अपराधियों को संरक्षण होता। योगी सरकार में अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही है। बदायूं कांड में भी अपराधी के साथ कड़ी कार्रवाई की गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सूचना की जानकारी की जांच पर रोक उचित

सुप्रीम कोर्ट ने एक और फैसला स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति के मामले में दिया है। केंद्र सरकार की कोई एजेंसी इसकी जांच नहीं कर सकता है। शीर्ष अदालत ने प्रेस सूचना ब्यूरो की जांच इकाई पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की तथ्य जांच इकाई (एफसीयू) को केंद्र सरकार के व्यवसाय से संबंधित ऑनलाइन सामग्री के लिए आधिकारिक तथ्य-जांच निकाय के रूप में अधिसूचित करने के केंद्र के आदेश पर रोक लगा दी, यह देखते हुए कि इस मुद्दे में गंभीर संवैधानिक मुद्दे शामिल हैं। जो अभी भी बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम, 2023 के नियम 3(1)(बी)(1) के संचालन पर रोक लगाने के लिए प्रथम दृष्टया मामला बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित कार्यवाही है। हम निर्देश देते हैं उच्च न्यायालय द्वारा निपटान लंबित रहने तक, 20 मार्च की अधिसूचना पर रोक रहेगी।

पीठ में शामिल न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने कहा कि नियम 3(1)(बी)(1) को चुनौती में गंभीर संवैधानिक प्रश्न शामिल हैं। भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों पर नियम 3(1)(बी)(1) के प्रभाव का उच्च न्यायालय विश्लेषण करेगा। यह आदेश कॉमेडियन कुणाल कामरा, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैगजीन्स की याचिका पर आया, जिन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के 11 मार्च के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में अप्रैल 2023 में किए गए संशोधन के तहत केंद्र सरकार को पीआईबी के एफसीयू को तथ्य-जांच निकाय के रूप में अधिसूचित करने से रोकने से इनकार कर दिया गया था। अप्रैल 2023 में आईटी नियमों में संशोधन के माध्यम से अधिसूचित इकाई स्थापित करने की योजना को मूल अधिनियम (सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000) के असंवैधानिक, अल्ट्रा वायर्स (सीमा से परे जाने) के कारण बॉम्बे उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। 31 जनवरी को, बॉम्बे हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने तथ्य जांच संशोधन की संवैधानिकता पर खंडित फैसला सुनाया। मामले को तीसरे न्यायाधीश के पास भेजा गया, जिन्होंने अभी तक इस मामले पर फैसला नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की तथ्य जांच इकाई (एफसीयू) को केंद्र सरकार के व्यवसाय से संबंधित ऑनलाइन सामग्री के लिए आधिकारिक तथ्य-जांच निकाय के रूप में अधिसूचित करने के केंद्र के आदेश पर रोक लगा दी, यह देखते हुए कि इस मुद्दे में गंभीर संवैधानिक मुद्दे शामिल हैं। जो अभी भी बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बर्बादी न रोकी तो बेपानी हो जायेगा देश

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों को इस बात के लिए गर्व से प्रचारित किया जाता है कि वहां घरों में गंगा-वॉटर आता है। ऐसे इलाकों में फ्लैट के दाम इसी कारण अधिक होते हैं। जिस गंगा जल को घरों में एक बोतल में पवित्र निशानी के तौर पर पूजा-स्थान पर रखा जाता है, वह गंगा जल लाखों घरों में शौचालय से लेकर कपड़े धोने तक में इस्तेमाल होता है। 'हर घर जल' जैसी योजनाओं के बावजूद सरकारी दस्तावेज यह मानते हैं कि अब भारत के कोई 360 जिलों में पानी की मारामारी स्थाई डेरा डाल चुकी है। एक तरफ बढ़ती गर्मी और दूसरी तरफ बढ़ती प्यास और खेतों के लिए अधिक पानी की जरूरत, इसके साथ ही साल दर साल बरसात के दिनों में कमी आ रही है। जाहिर है कि पानी किसी कारखाने में बन नहीं सकता और हमारी जिम्मेदारी बन गई है कि पानी को किफायत से खर्च करें। मौका मिले इसे सहेज कर रखें।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक शोध चार साल पहले ही चेतावनी दे चुका है कि सन् 2030 तक हमारे धरती के तापमान में 0.5 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि अवश्यंभावी है। जान लें कि तापमान में एक डिग्री बढ़ोतरी का अर्थ है कि खेत में 360 किलो फसल प्रति हेक्टेयर की कमी आ जाना। इस तरह जलवायु परिवर्तन के चलते खेती के लिहाज से 310 जिलों को संवेदनशील माना गया है। इनमें से 109 जिले बेहद संवेदनशील हैं जहां आने वाले एक दशक में ही उपज घटने, पशु धन से लेकर मुर्गी पालन व मछली उत्पाद तक कमी आने की संभावना है। सामने दिख रहा है कि संकट अकेले पानी का ही नहीं है, असल संकट है पानी के प्रबंधन का। अलग-अलग किस्म का पानी, अलग-अलग इस्तेमाल के लिए कैसे छांटा जाए, इस बारे में तंत्र विकसित करना और सबसे बड़ी बात इसके लिए जागरूकता फैलाना अनिवार्य है। खासकर ग्रामीण अंचल में यह बात समझाना जरूरी है कि भूगर्भ से उलीच कर निकाला जा रहा पानी अनंत नहीं है और यह एक बार समाप्त हुआ तो लौट कर आने वाला नहीं है।

भारत में जिस साल कम बरसात होती है, उस साल भी इतनी कृपा बरसती है कि सारे देश की जरूरत पूरी हो सकती है, लेकिन हमारी असली समस्या बरसात की हर बूंद को रोक रखने के लिए हमारे पुरखों द्वारा बनाए तालाब-बावड़ी या नदियों की दुर्गति होना भी

है। बारिश कुछ हिस्सा तो भाप बनकर उड़ जाता है और कुछ समुद्र में चला जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि प्रकृति जीवनदायी संपदा यानी पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस चक्र के थमने का अर्थ है हमारी जिंदगी का थम जाना। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं उसे वापस भी हमें ही लौटाना होता है। पानी के दुरुपयोग के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं जिसे जानकर लगेगा कि सचमुच अब हममें थोड़ा-सा भी पानी नहीं बचा है। कुछ तथ्य इस प्रकार हैं-मुंबई में रोज गाड़ियां धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण 17 से 44 प्रतिशत पानी प्रतिदिन बेकार बह जाता है। ब्रह्मपुत्र नदी का प्रतिदिन 2.16 घन मीटर पानी बंगाल की खाड़ी में चला जाता है। भारत में हर वर्ष बाढ़ के कारण करीब हजारों मौतें व अरबों का नुकसान होता है। यह भी कड़वा सच है कि हमारे देश में महिलाओं को पीने के पानी के जुगाड़ के लिए हर रोज ही औसतन साढ़े पांच किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पूरी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलोलीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है जोकि खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुवीय क्षेत्रों में है। बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुआं, झरना और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60वां हिस्सा खेती और उद्योगों में खपत होता है। बाकी का 40वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बरबाद होता है। बॉथ टब में नहाते समय धनिक वर्ग 300 से 500 लीटर पानी गटर में बहा देते हैं। मध्यम वर्ग भी इस मामले में पीछे नहीं है जो नहाते समय 100 से 150 लीटर पानी बर्बाद कर देता है। हमारे समाज में पानी बर्बाद करने की राजसी प्रवृत्ति है, जिस पर अभी तक अंकुश लगाने की कोई कोशिश नहीं हुई है। यदि अभी पानी को सहेजने और किफायती इस्तेमाल पर काम नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब सरकार की हर घर नल जैसी योजनाएं जल-स्रोत न होने के कारण रीती दिखेंगी। चप्पे-चप्पे पर झील-तालाबों के लिए मशहूर बंगलूरु का उदाहरण सामने है, जहां गर्मी शुरू होने से पहले ही पानी की राशनिंग हो रही है।

दुनिया की बड़ी महामारी बनता अकेलापन

क्षमा शर्मा

छ दिन पहले एक खबर आई थी कि अमेरिका में चार करोड़ लोग अकेलेपन के शिकार हैं। वहां 2012 के मुकाबले 2015 तक अकेले लोगों की संख्या पंद्रह प्रतिशत तक बढ़ी। अमेरिका की लगभग चौंतीस करोड़ आबादी को देखते हुए यह एक बड़ी संख्या है। बताया जाता है कि 1960 में बिना परिवार के रहने वाले लोगों की संख्या 13 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई है। अकेले रहने वाले चौंसठ प्रतिशत लोगों में अवसाद का खतरा बहुत होता है। अमेरिका में अकेले रहने वाले लोगों में से अधिकांश की उम्र पैंतालीस से चौंसठ वर्ष तक है। उसके बाद तीस वर्ष से लेकर चवालीस वर्ष तक के लोग हैं। भारत के बारे में भी कहा जाता है कि यहां पैंतालीस वर्ष के लगभग साढ़े बीस प्रतिशत लोग अकेलेपन के शिकार हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि दुनिया भर में लगभग सवा अरब लोग अकेलेपन के शिकार हैं और अकेलापन महामारी का रूप लेता जा रहा है। विश्व में दस प्रतिशत किशोर और पच्चीस प्रतिशत बुजुर्ग अकेले रहते हैं। दुनिया के लिए यह एक गम्भीर खतरा है। यह लेखिका अकसर अपने आसपास के ऐसे लोगों से मिलती है जो अकेले रहते हैं। वे पार्कों में दिखाई देते हैं। अकसर आते-जातों से बातें करने की कोशिश करते हैं लेकिन बातें भी किस हद तक की जा सकती हैं। अनाथालय में रहने वाले बच्चों और किशोरों की स्थिति तो और भी दारुण है। उनके पास तो परिवार या अपना कहलाने वाले के नाम पर कोई नहीं है। तकनीक ने अकेलेपन को और बढ़ाया है। बच्चों से बातें करने की फ़ुरसत माता-पिता को नहीं है और बच्चे इन दिनों माता-पिता से बात नहीं करना चाहते। वे चौबीसों घंटे मोबाइल में उलझे रहना चाहते हैं। इसके अलावा उन पर सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर का इतना प्रभाव है कि वे उन जैसे क्यों नहीं बन सकते, वे हमेशा इस खयाल में रहते हैं। तकनीक ने जहां सुविधाएं सौंपी हैं वहां अलामतें भी कोई कम नहीं। अकेलापन इनमें सबसे बड़ी मुसीबत है।

समाज का पुराना ढांचा टूट गया है। गांवों को याद करें तो वहां अकसर बहुत से हम उम्र सवेरे-शाम चबूतरों पर बैठे नजर आते थे। कुछ अपनी कहते थे कुछ दूसरों की सुनते थे। लेकिन अब धीरे-धीरे गांवों में चबूतरा संस्कृति नष्ट हो गई है। लोग टीवी के कारण अपने घरों में बंद हो गए हैं। खेती-बाड़ी में जहां पहले बहुत से लोग काम करते थे , अब वहां भी ज्यादा लोगों की जरूरत मशीनों ने खत्म कर दी है। कम्युनिटी की जो भावना होती थी, वह कहीं खो गई है। शहरों में मिलने-जुलने के अवसर वैसे भी बहुत कम हैं। एकल परिवारों के कारण अकेलापन बढ़ता ही जाता है। बहुत से बुजुर्ग अकेले रहते हैं। बहुत से बच्चे भी माता-पिता के काम पर चले जाने के बाद घरों में अकेले होते हैं। हमारी सारी भावनाएं, जिम्मेदारियां सिर्फ पैसे के इर्द-गिर्द घूम रही हैं। सच है कि पैसे के बिना जीवन में कोई भी काम पूरा नहीं हो सकता , लेकिन यह भी कड़वी सच्चाई है कि पैसा हो भी तो भी कई बार अकेलापन काटे नहीं कटता। कई बार कुछ दान-पुण्य करने और अन्य सहायता करने के लिए एक वृद्धाश्रमों में जाना होता है। यह साधन सम्पन्न लोगों के लिए हैं और एक मंदिर से जुड़ा है। एक ही उम्र के लोग हैं। बातचीत भी करते हैं। एक साथ रहते हैं ।

लेकिन बातें करिए तो एक अजीब किस्म की निराशा दिखाई देती है। कइयों के पास अपने घर हैं, लेकिन वे वहां नहीं रहना चाहते क्योंकि सुरक्षा की गारंटी नहीं। बच्चे बाहर हैं और जीवनसाथी दुनिया में नहीं। घर में बच्चे हैं तो वे बेपरवाह हैं। इसलिए वहां कैसे रहें। कइयों के बच्चे विदेश में रहते हैं। वहां ये जाना नहीं चाहते। अपने परिवेश से बाहर दूसरी दुनिया में मन नहीं लगता। फिर वहां बच्चे दिनभर काम पर चले जाते हैं और दिनभर घर में अकेले ही रहना पड़ता है। कई बार बच्चों के साथ चले जाने पर तरह-तरह के भेदभाव और दुर्व्यवहार के शिकार भी होते हैं। इन्हें आठ-दस लाख की पूंजी खर्च करके यहां रहने को ठिकाना मिला है। लेकिन देखा जाए तो अपने देश में ऐसे कितने लोग होंगे जिनके पास इतनी बड़ी पूंजी है। हमारे यहां अकेलेपन को ध्यान में रखकर शायद ही कोई योजनाएं बनती हों। अकेलापन जैसे कोई समस्या ही नहीं है। फिर अकेलेपन से उपजा अवसाद और दूसरी बीमारियों के बारे में तो कौन सोचे। बुजुर्गों ने तो चलिए अपनी जिंदगी जी ली लेकिन बच्चों , किशोरों और स्त्रियों की समस्या का क्या हो।

आज भी भारत में एक अकेली और साधनहीन स्त्री का रहना बड़ा मुश्किल है। दूसरी तरफ स्त्रियों को सपने दिखाने वाले विमर्शकार कहते हैं कि अकेली स्त्री सब तरह से सुखी होती है। वह आजाद होती है। आजादी की यह भी कैसी परिभाषा है कि हमें अपने अलावा कोई और नहीं चाहिए। देखा जाए तो यह बात सिवाय परिवार के कहीं और लागू नहीं की जाती। क्योंकि किसी दफ्तर में आप अकेले नहीं होते। औरों के साथ मिलकर ही काम करना पड़ता है। इसी तरह बस, मेट्रो या रेलगाड़ी में सफर करते हुए भी आपको दूसरों के साथ ही दिन-रात काटनी होती है। जिस अमेरिका ने लोगों को यह सिखाया कि अकेलापन कितनी अच्छी चीज है, आज इस बात पर वहां त्राहि-त्राहि मची है। बुजुर्ग परेशान हैं। बच्चे-किशोर परेशान हैं। एक अकेला आदमी कम्पनियों के लिए सबसे अच्छा उपभोक्ता होता है। परिवार में मान लीजिए पांच लोग रहते हैं तो एक फ्रिज , एक टीवी, एक गैस, एक कार या स्कूटर, एक वॉशिंग मशीन , एक घर से ही काम चल जाता है।

प्लांट बेस्ड आहार के अधिकतम लाभ

अधिकतर शोधकर्ताओं ने पाया कि मांसाहारी डाइट की तुलना में प्लांट बेस्ड आहार वाली चीजों के सेवन के अधिकतम लाभ हो सकते हैं। एकेडमी ऑफ न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स के अनुसार, शाकाहारी आहार इस्केमिक हार्ट डिजीज और इसके कारण होने वाली मृत्यु के जोखिम को कम करने में मददगार हो सकती है। शोध बताते हैं कि मांस खाने वालों की तुलना में शाकाहारियों में लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है जिससे हृदय रोगों से बचाव हो सकती है। हृदय रोगों के साथ मधुमेह रोगियों के लिए भी प्लांट बेस्ड आहार से लाभ हो सकता है। नए शोधों में भी पाया गया है कि जिन मरीजों ने प्लांट फूड डाइट्स का अधिक सेवन किया, वे अधिक तेजी से रिकवरी किए और उनके शरीर पर गजब का सकारात्मक बदलाव देखने को मिला। इसके सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और गुड कोलेस्ट्रॉल का इजाफा होता है। जिससे आपके कई ऑर्गन बेहतर काम करते है।

खाएं पौष्टिक आहार

प्लांट बेस्ड चीजों को आहार में अधिक से अधिक शामिल करना चाहिए। खाने में अपनी आधी प्लेट सब्जियों से भरें। सुनिश्चित करें कि आपके भोजन में सभी रंग वाली सब्जियां शामिल हैं। आहार में स्वस्थ वसा वाली चीजों जैसे ऑलिव ऑयल, नट्स और सीड्स और एवोकाडो की मात्रा बढ़ाएं।

प्लांट बेस्ड

आहार से शरीर रहेगा रोगमुक्त

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आहार का ध्यान रखना बहुत आवश्यक माना जाता है। आप जिस तरह के आहार का सेवन करते हैं शरीर पर उसका सीधा असर होता है। कुछ अध्ययनों में मीट-अंडे और चिकन जैसी चीजों के सेवन की सलाह दी जाती है, जबकि कुछ शोध बताते हैं कि बीमारियों से बचाव और लंबी आयु पाने के लिए प्लांट बेस्ड डाइट को आहार का हिस्सा बनाना चाहिए। पर वास्तव में शरीर के लिए कौन सा डाइट सबसे लाभकारी है, यह सवाल लंबे समय से बना हुआ है। लेकिन अलग-अलग खाद्य पदार्थों के सेवन के अलग-अलग स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। प्लांट बेस्ड डाइट कई तरह के होते हैं, मसलन, वेजिटेरियन, वेगन, रॉ वेगन, फ्लेक्सिटेरियन आदि। अगर आप अपने डाइट में अधिक से अधिक प्लांट फूड को शामिल कर लें, तो यह आपकी सेहत की कई समस्याओं को आसानी से दूर करने और अधिक से अधिक हेल्दी रखने में मदद कर सकता है।

मजबूत इम्युनिटी सिस्टम के लिए फायदेमंद

इम्युनिटी की मजबूती आपको कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के खतरे को बढ़ाने वाली होती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि प्लांट बेस्ड डाइट को आहार में शामिल करने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। पौधों में मौजूद विटामिन्स और खनिज, फाइटोकेमिकल्स और एंटीऑक्सीडेंट आपकी कोशिकाओं को स्वस्थ रखने और बीमारियों के दौरान शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार हो सकती है। प्लांट बेस्ड डाइट आपके शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती है।

क्या हैं प्लांट बेस्ड आहार

प्लांट बेस्ड डाइट का चलन पिछले कुछ वर्षों में काफी तेजी से बढ़ा है। इसमें मुख्यरूप से पौधों से प्राप्त आहार को शामिल किया जाता है। फल और सब्जियां, मेवे, सीड्स, पौधों से प्राप्त तेल, साबुत अनाज, फलियों के सेवन से लाभ मिल सकता है। प्लांट बेस्ड डाइट के सेवन का ये मतलब नहीं है कि आप सिर्फ शाकाहारी रहें और कभी भी मांस या डेयरी नहीं खा सकते हैं। बल्कि, आपको आनुपातिक रूप से पौधों के स्रोतों प्राप्त भोजन के अधिक सेवन की सलाह दी जाती है।

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड: मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये हो, पप्पू: चल पगली, कुछ भी हो मैं शादी तुमसे ही करूंगा.. आंटी से कहना वो मुझे भूल जाएं।

नजरे आज भी उस हरामखोर को ढूंढ रही हैं, जिसने कहा था बुक के बीच में मोर पंख रखने से विद्या आती है।

ठोकर खाकर गुनगुनाना ही जिन्दगी है, गम पी कर मुस्कुराना ही जिन्दगी है, एक लड़की अगर धोका दे दे तो सब कुछ भूल कर, दूसरी को पटाना ही जिन्दगी है।

बॉस ने जोक सुनाया तो पूरी टीम हंसने लगी, बस एक लड़का नहीं हंसा...बॉस ने पूछा- क्या तुम्हें मेरा जोक समझ नहीं आया? लड़का- सर, मेरा सलेक्शन दूसरी कंपनी में हो गया है...

जज- घर में मालिक के रहते हुए तुमने चोरी कैसे की? गोलू- जज साहब आपकी अच्छी नौकरी है, अच्छी सैलरी है। फिर आप ये सब सीख कर क्या करोगे....?

गोलू - मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं। पड़ोसी- कितना कमा लेते हो? गोलू- 20 हजार। पड़ोसी- मैं अपनी बेटी को 15 हजार पॉकेट मनी देता हूं। गोलू- मैं भी तो उसी को जोड़कर ही तो बता रहा हूं...

कहानी | धूर्त बिल्ली का न्याय

बहुत पुरानी बात है, एक जंगल में एक बहुत बड़े पेड़ के तने में एक खोल था। उस खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था और शाम तक लौट आता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। जब कई दिनों तक तीतर वापस नहीं आया, तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। लगभग दो से तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। खा-खाकर वह बहुत मोटा हो गया था और लंबे सफर के कारण बहुत थक भी गया था। लौट कर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और उसने झल्लाकर खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। तीतर को इस तरह चिल्लाते हुए देख खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? कौन सा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। तीतर बार-बार खरगोश को घर से निकलने के लिए कह रहा था और खरगोश अपनी जगह से टस से मस नहीं हो रहा था। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई को दूर से एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह पेड़ के नीचे ध्यान मुद्रा में बैठ गई और जोर-जोर से ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, तुम समझदार लगती हो। हमारी मदद करो और जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। उनकी बात सुनकर बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

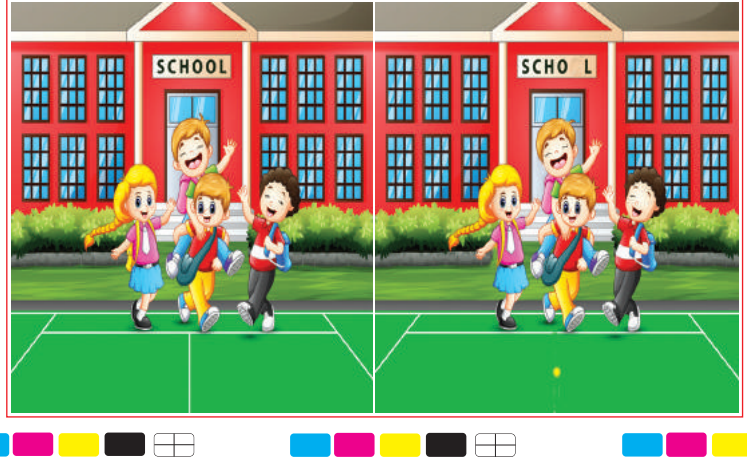

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ

पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन

दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क

भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

सिंह

घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु

नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

मकर

किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

मीन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

फिर जीत सच्चाई की हुई : अंजलि

एल्विश यादव को शुक्रवार को स्नेक वेनम केस में बेल मिल गई है। एल्विश को बेल मिलने से उनके परिवार वाले, दोस्त और फैंस बहुत खुश हैं। सोशल मीडिया पर एल्विश के बेल मिलने पर उनके फैंस ने सेलिब्रेट किया। एल्विश के दोस्त अनुराग डोभाल ने भी सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की। वहीं अब सोशल मीडिया सेंसेशन अंजलि अरोड़ा का भी इस पर रिएक्शन आ गया है। उन्होंने एल्विश की बेल पर कमेंट किया है। अंजलि ने ट्वीट किया, हां जी फिर जीत सच्चाई की हुई न? वहीं अंजलि के इस ट्वीट पर लोगों के खूब कमेंट्स आ रहे हैं। किसी ने लिखा कि आप शुरू से उनके साथ रहे हो। आप एक अच्छी दोस्त हो। कोई कमेंट कर रहा है कि अंजलि के फैंस को शुक्रिया उन्होंने बहुत सपोर्ट किया। वहीं एल्विश के फैंस ने अंजलि के फैंस को शुक्रिया कहा सपोर्ट के लिए। बता दें कि इससे पहले एक पॉडकास्ट के दौरान जब अंजलि से एल्विश के गिरफ्तार होने के बारे में पूछा था तो उन्होंने कहा था, मुझे नहीं लगता कि वो किसी ऐसी चीज में शामिल होगा। पता नहीं वो कैसे इस केस में फंस गया है। वैसे यह पहली बार नहीं है कि अंजलि ने एल्विश को सपोर्ट किया हो। इससे पहले जब एल्विश और मैक्सटर्न का विवाद हुआ था। एल्विश ने जब मैक्सटर्न की पिटाई की थी तब भी अंजलि ने उन्हें सपोर्ट किया था। वहीं एल्विश भी अंजलि को अपना अच्छा दोस्त मानते थे। वहीं मुनव्वर फारूकी से भी जब एल्विश की बेल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं खुश हूं उनके लिए। मैंने उनके मम्मी-पापा को देखा था और जानता हूं कि कैसा लगता है।

एल्विश यादव को स्नेक वेनम केस में बेल मिलने पर दी प्रतिक्रिया

फिर से निभाएंगे बैड बॉय वाले किरदार: हाशमी

बॉलीवुड | मसाला

इमरान हाशमी इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेताओं में एक हैं। हाल के दिनों इमरान कई बड़ी और हिट फिल्मों में नजर आए। इमरान की हालिया रिलीज वेब सीरीज शो टाइम भी खूब चर्चा में हैं, जहां इमरान अपने किरदार से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इंडस्ट्री में इस ऊंचाई पर पहुंचने के लिए इमरान ने लंबा संघर्ष किया, जिसमें साल 2008 में आई फिल्म जन्नत इमरान के करियर की टर्निंग प्वाइंट साबित हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके बाद साल 2012 इस फिल्म का सीक्वल भी सुपरहिट रहा, बीते 11 साल से दर्शक इस फिल्म के तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसे लेकर इमरान हाशमी ने बड़ा खुलासा किया है। हाल ही में एक साक्षात्कार में इमरान ने जन्नत 3 के बारे में बात की। इमरान ने कहा, मेरे लिए यह सबसे बेहतर चीज होगी। शायद एक नई बोतल में पुरानी शराब जैसी। हालांकि इसके लिए निर्माता महेश भट्ट और मुकेश भट्ट को एक साथ आना होगा, जो शायद काफी मुश्किल है। हां अगर किस्मत में इसका बनना लिखा होगा तो मेरे लिए यह एक चमत्कार जैसा होगा। इमरान ने आगे कहा, आने वाले दिनों मेरी कई नई फिल्मों में नजर आने वाला हूं, जिसमें दर्शक मुझे मेरी पुरानी बैड बॉय वाले किरदार में देख सकेंगे। मैं एक बार फिर से उस तरह की किरदारों को निभाऊंगा। गौरतलब है कि जन्नत इमरान हाशमी के करियर में सबसे महत्वपूर्ण फिल्म रही है। फिल्म की शानदार कहानी और बेहद प्यारे संगीत ने उन्हें दर्शकों के दिलों में बसा दिया। इस फिल्म के बाद इमरान की पहचान लीड रोल वाले अभिनेताओं में शुरू हो गई। हाल के दिनों में इमरान बेहद व्यस्त हैं। वेब सीरीज शोटाइम के अलावा इमरान सारा अली खान के साथ फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में भी नजर आए। वहीं, साल 2023 में इमरान टाइगर 3 सलमान खान और कैटरीना कैफ के साथ मुख्य भूमिका में थे।

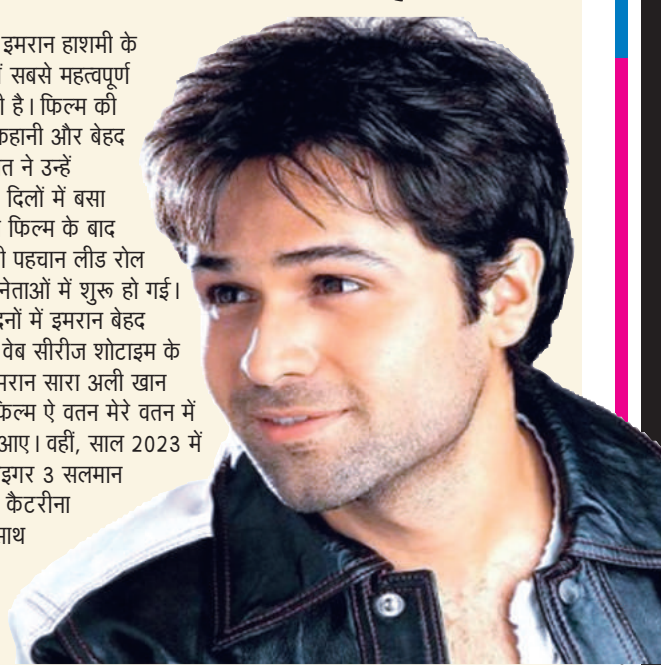

बॉलीवुड | मन की बात

सतीश कौशिक की कमी महसूस होती है : अरबाज

दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक की आखिरी फिल्म पटना शुक्ला रिलीज को तैयार है। इस फिल्म को अरबाज खान ने प्रोड्यूस किया है। हाल ही में वह सतीश कौशिक को याद करते नजर आए। यह फिल्म रोल नंबरों से जुड़े शिक्षा घोटाले पर आधारित है, जिससे देश के हजारों ईमानदार छात्रों का जीवन प्रभावित हो जाता है। दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक इस फिल्म में जज की भूमिका में हैं। वहीं, रवीना टंडन वकील के रूप में नजर आएंगी। अरबाज खान ने सतीश कौशिक को याद करते हुए उनकी दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, हम सभी उन्हें बहुत ज्यादा याद करते हैं। एक व्यक्ति और कलाकार के रूप में वे बहुत शानदार था। यह बहुत अफसोस की बात है कि अब जब यह फिल्म रिलीज हो रही है तो वे हमारे बीच में नहीं हैं। यह बहुत दुखद है। वहीं, इस फिल्म में रिंकी की भूमिका निभा रहीं अनुष्का कौशिक ने भी सतीश कौशिक के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। अगर आप हमसे पूछोगे कि सेट पर सबसे मजेदार कौन था, तो सतीश कौशिक सर सबसे मजेदार थे। आज भी यकीन नहीं होता कि वे हमारे बीच नहीं हैं। उनका स्वभाव बच्चों की तरह था। अनुष्का ने आगे कहा, फिल्म में उन्होंने जब जज की भूमिका अदा की और हथौड़े वाला सीन किया तो वह इसे किसी बच्चे की तरह बजाते थे। वह जिंदगी के लेकर बहुत उत्साहित और जिंदादिल थे। वे हमेशा मुझे कौशिक कहकर पुकारा करते थे। इस फिल्म का ट्रेलर जारी हो चुका है। रवीना एक ऐसे बच्चे की मदद करती हैं, जो परीक्षा में बेहतर करके भी गलत तरीके से फेल हो जाता है। बच्चे को न्याय दिलाने के लिए वह लड़ती हैं। इस कोर्टरूम ड्रामा में सतीश कौशिक जज के रूप में हैं।

पहाड़ से आ रही थी अजीब सी आवाज अचानक गुफा से झांकती दिखी 2 आंखें!

इस धरती पर कई दुर्गम जगहें मौजूद हैं, जहां का हाल देखकर आपको नहीं लगेगा कि वहां कोई रहता भी होगा। पर सच तो ये है कि उन जगहों पर भी कई ऐसे जीव रहते हैं जो बेहद अनोखे और कई बार हैरान करने वाले होते हैं। हाल ही में एक शख्स की नजरों के सामने भी ऐसा ही जीव आ गया, जिसके बारे में उसे भी नहीं पता था। वो एक बंजर सी पहाड़ी जगह पर था। अचानक उसे पहाड़ के अंदर से आवाज आने लगी तो वो घूम-घूमकर इलाके की जांच करने लगा और उसे जीव को खोजने लगा। तभी अचानक पहाड़ में बनी एक छोटी सी गुफा में से उसे 2 आंखें नजर आईं, जो उसी की ओर झांक रही थीं। ये नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जो काफी चौंकाने वाला है। इस वीडियो में एक शख्स किसी पहाड़ी इलाके में टहलता दिख रहा है। जब आप वीडियो को ध्यान से सुनेंगे, तो आपको किसी जीव की दहाड़ने की आवाज सुनाई देगी। हालांकि, वो आवाज इतनी धीमे आ रही है, कि ठीक तरह से आप समझ ही नहीं पाएंगे कि वो कौन सा जीव है। शख्स भी नहीं समझ पाता और घूम-घूमकर उस जीव को खोजने लगता है। पहाड़ पर कई गुफाएं बनी हुई हैं। अचानक एक गुफा पर उसकी नजर पड़ती है। वो उस गुफा को दूर से देखता है और कैमरा उसकी ओर घुमाता है। अंदर से एक जीव की आंखें चमकती हुई नजर आती हैं। ये देखकर वो शख्स तो सिहर जाता है, साथ ही आप भी सिहर जाएंगे। हालांकि, ये नहीं समझ आ रहा है कि वो जीव कौन सा है। वायरल वीडियो को 8 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि वो पहाड़ों पर रहने वाला शेर हो सकता है, जिसे माउंटेन लायन बोला जाता है। एक ने कहा कि वो किसी प्रकार की जंगली बिल्ली लग रही है। बहुत से लोगों ने कहा कि शख्स को वहां नहीं होना चाहिए, वो जीव खतरनाक लग रहा है, हमला करने पर शख्स की जान भी ले सकता है।

अजब-गजब | यहां न क्राइम का खौफ और न ही कोई देश दुश्मन

रहने के लिए है स्वर्ग जैसी जगह!

अमीर हो या गरीब, हर कोई अच्छी जगह पर रहना पसंद करता है। ऐसी जगह, जहां कोई खतरा न हो। सुकून हो और अच्छी हवा हो। लेकिन ऐसी जगह तलाशना सपने की तरह है। मगर धरती पर एक जगह ऐसी है, जहां क्राइम न के बराबर है। कोई देश जिसका दुश्मन नहीं। हर कोई खुशहाल। कमाई के मामले में भी जबरदस्त। इसीलिए इसे धरती पर रहने के लिए स्वर्ग जैसी जगह माना जाता है। हम बात कर यूरोपीय देश आइसलैंड की, जहां क्राइम रेट इतना कम है कि पुलिस बंदूकें नहीं रखती। स्वात टीम के पास हथियार तो हैं लेकिन वे शायद ही कभी उनका उपयोग करते हैं। देश के हर तीन में से एक नागरिक के पास हथियार है, लेकिन हत्या साल में सिर्फ एक या दो होती है। बलात्कार, चोरी-डकैती तो जैसे यहां के लोगों को आती ही नहीं। आइसलैंड में अपनी सुरक्षा को लेकर लोग रत्तीभर भी चिंतित नहीं रहते। बच्चों को उनके मां-बाप यूं ही बाहर छोड़ देते हैं। उनकी कोई पहरेदारी नहीं करता। कोई भी किसी अजनबी की गाड़ी में बैठकर कहीं भी चला जाता है। अपराध कम होने के पीछे सबसे अहम वजह है कि बराबरी और समानता का भाव है। यहां उच्च, मध्य और निम्न के बीच अंतर ना के बराबर है। पैसों के लिए कोई लड़ाई नहीं होती। यहां उद्योगपतियों के बच्चे भी साधारण बच्चों की तरह ही स्कूल जाते हुए मिल जाएंगे। यहां कॉलेज की डिग्री एक महीने के किराये से कम महंगी है। लगभग हर नागरिक के पास नौकरी या किसी न किसी तरह का रोजगार है। सामाजिक सुरक्षा का जाल फैला हुआ है। किसी को कोई तकलीफ नहीं होती। यही वजह है कि यहां जितने बेटे हैं, उनती ही बेटियां भी हैं। ज्वालामुखियों के लिए प्रसिद्ध आइसलैंड यूरोप का एक छोटा देश है और इसकी राजधानी रेक्याविक है। यहां तीन लाख से कुछ ज्यादा लोग रहते हैं। यहां की महिलाएं अधिकतर स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काम करती हैं। यही वजह है कि इस देश को फैमिनिस्ट हेवन या महिलाओं के लिए स्वर्ग के तौर पर जाना जाता है। आप जानकर हैरान होंगे कि अक्टूबर 2023 में यहां की प्रधानमंत्री काटरिन याकब्सडॉटिर देश की अन्य महिलाओं के साथ एक दिन की हड़ताल पर चली गईं। उनकी कैबिनेट में शामिल किसी भी महिला मंत्री ने कोई काम नहीं किया। उस वक्त महिलाएं देश में वेतन की असमानता और जेंडर आधारित हिंसा का विरोध कर रही थीं। अन्य देशों के मुकाबले यहां ड्रग्स की समस्या बिल्कुल भी नहीं। यूएनओडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एक फीसदी से कम युवा हैं जो छिटपुट ड्रग्स लेते हैं। कोई खूंखार जानवर भी यहां नहीं, जो लोगों की जान लेता हो। यहां तक कि यह दुनिया का अनोखा मुल्क है, जहां मच्छर भी नहीं दिखते। हाल ही में आइसलैंड एक बार फिर चर्चा में तब आया, जब वहां ज्वालामुखी विस्फोट का लावा कस्बे तक पहुंच गया। यहां तक कि आपातकाल लागू करना पड़ा। इसे अब तक का सबसे ताकतवर विस्फोट बताया गया है।ज्वालामुखी से लावा और साथ में धुएं का बड़ा गुब्बार भी निकला, जिसने पूरे देश को अपनी आगोश में ले लिया। इसके अलावा इस देश में कोई प्राकृतिक आपदा नहीं आती।

अडानी ग्रीन एनर्जी ने लगाई एक और छलांग

लंदन के साइंस म्यूजियम में अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी का उद्घाटन, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी एकबार फिर विश्व में सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार वह नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लंदन में अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी का उद्घाटन को लेकर चर्चा मे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि यह ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। लंदन के साइंस म्यूजियम में मंगलवार को अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी का शुभारंभ हुआ।

इनोवेशन से भविष्य को देंगे आकार

गैलरी का मकसद उन विकल्पों का पता लगाना है जो टिकाऊ ऊर्जा पैदा करने, डीकार्बोनाइज करने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करेंगे। इसकी जानकारी अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्वीटर या एक्स पर दी।

कंपनी की तरफ से यहां जारी एक बयान में बताया गया कि एनर्जी क्रांति अडाणी ग्रीन एनर्जी गैलरी, एक नि:शुल्क गैलरी है। यह गैलरी दिखाती है कि किस तरह इनोवेशन के माध्यम से अतीत, वर्तमान और भविष्य को आकार दिया जा सकता है। यह भी पता लगाती है कि भविष्य में हमारी ऊर्जा (एनर्जी फ्यूचर) को तय करने में हम सभी की भूमिका कैसे है।

हमारे लिए महत्वपूर्ण दिन : गौतम अडानी

एक्स डॉट कॉम पर अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एक पोस्ट में कहा, कि आज का दिन महत्वपूर्ण है। आज का दिन लंदन के साइंस म्यूजियम में अडानी ग्रीन एनर्जी गैलरी के उद्घाटन का दिन है। हमें सर टिमोथी लारेंस और सर इयान ब्लैचफोर्ड के नेतृत्व में साइंस म्यूजियम के साथ साझेदारी पर गर्व है, जिसने इस अमेजिंग गैलरी को सच बना दिया। यह गैलरी टिकाऊपन, परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी और जलवायु विज्ञान (क्लाइमेट साइंस) की समझ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कार्बन मुक्त दुनिया के लिए प्रेरित करेंगे

अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के कार्यकारी निदेशक सागर अडानी ने कहा, कि गैलरी के स्पॉन्सरशिप के माध्यम से, हमारा लक्ष्य युवा माइंड्स, वैज्ञानिकों और इनोवेटर्स को स्वच्छ ऊर्जा द्वारा संचालित भविष्य की कल्पना करने और कार्बन मुक्त दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करना है। यह उनकी दिलचस्पी, जिज्ञासा और जागरूकता को प्रोत्साहित करने और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने की एक पहल है। गैलरी ऊर्जा दक्षता, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और कार्बन उत्सर्जन में कमी की दिशा में बदलाव को सक्षम करने के लिए विश्व समुदाय को एक साथ लाती है।

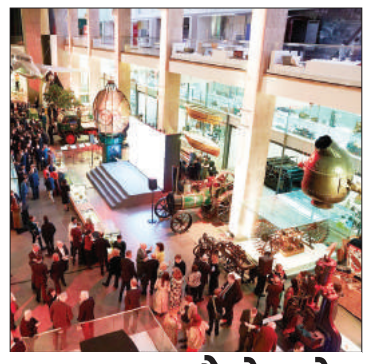

फ्यूचर प्लैनेट दे सकेंगे विजिटर्स

फ्यूचर प्लैनेट में विजिटर्स यह देख सकते हैं कि पृथ्वी ग्रह को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने जटिल कंप्यूटर-आधारित मॉडल का उपयोग कैसे किया है और जलवायु के भविष्य को कैसे समझा है। गैलरी के केंद्र में ओनली ब्रीद नामक एक चलती-फिरती मूर्ति खड़ी है। यह तकनीकी परिवर्तन को प्रेरित करने की प्रकृति की शक्ति का प्रतीक है।

वीबीए ने इंडिया से तोड़ा गठबंधन, 9 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा चुनाव से पहले महाविकास अघाड़ी दल और आईएनडी अलायंस को तगड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र के प्रकाश आंबेडकर की एमवीए (वंचित बहुजन अघाड़ी) पार्टी ने गठबंधन को अलविदा कह दिया है। सीट शेयरिंग को लेकर महाविकास अघाड़ी दल के साथ बात न बनने पर प्रकाश आंबेडकर की पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

पार्टी ने नौ उम्मीदवारों के नाम का एलान कर दिया। एमवीए की तरफ से चार सीटों का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन प्रकाश आंबेडकर सात सीटें मांग रहे थे। वंचित बहुजन अघाड़ी ने जानकारी दी कि पार्टी नागपुर लोकसभा सीट से उम्मीदवार नहीं उतारेगी। पार्टी कांग्रेस के उम्मीदवार को सपोर्ट करेगी। इससे पहले आज उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने लोकसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी कर दी है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने लोकसभा चुनाव के लिए कुल 17 उम्मीदवारों की सूची जारी की है।

अलगाववादियों के परिजनों को किया जा रहा है परेशान : महबूबा

» पीडीपी का आरोप : दुष्प्रचार के लिए अपनाए जा रहे गलत हथकंडे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में अधिकारी अलगाववादियों के परिवार के सदस्यों को उनके परिवारों से बेदखल कर प्रचार करने के लिए परेशान कर रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी जेल में बंद अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह की बेटी समा शब्बीर और दिवंगत पाकिस्तान समर्थक सैयद अली शाह गिलानी की पोती रुवा शाह द्वारा अलगाववादी विचारधारा से खुद को अलग करने और भारत संघ की संप्रभुता के प्रति अपनी वफादारी की प्रतिज्ञा के बाद आई है।

कश्मीर ने एक ऐसा समय देखा जब बंदूकधारी आतंकवादियों ने धमकियां देते थे और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को खुद को मुख्यधारा से अलग करने या गंभीर परिणाम भुगतने के लिए की धमकी देते थे। आज भी यह पैटर्न दोहराया जा रहा है और जो बात इसे और भी अधिक परेशान करने वाली है वह यह है कि भूमिका स्वयं राज्य द्वारा निभाई जा रही है। वे अलगाववादियों के परिवारों को परेशान कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, परिवारों को बेदखल कर दुष्प्रचार करने के लिए उनकी बेटियों को भी नहीं बख्शा।

क्रूर कार्रवाई और दमन के बाद भी भारत सरकार व्याकुल महसूस कर रही है। स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित समान सार्वजनिक नोटिस में, समा शब्बीर और रुवा शाह ने खुद को अलगाववादी राजनीति से अलग करार दिया है और भारत देश का वफादार नागरिक घोषित किया है। गिलानी के दामाद अल्ताफ अहमद शाह उर्फ अल्ताफ फंटूश की बेटी रुवा शाह ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर खुद को उनके दिवंगत दादा द्वारा स्थापित हुर्रियत कॉन्फ्रेंस गुट से अलग बताया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि हुर्रियत विचारधारा के प्रति उनका कोई झुकाव या सहानुभूति नहीं है।

सितंबर से पहले होंगे जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी का वादा जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र स्थापित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में ये वादा किया है, मैंने भी संसद में वादे का समर्थन किया है। इसलिए चिंता मत कीजिए ये वादा पूरा होगा। एक स्थानीय निजी चैनल के साक्षात्कार में उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर लोकतंत्र निखरेगा, लेकिन ये तीन परिवारों का लोकतंत्र नहीं होगा। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों का लोकतंत्र होगा। उन्होंने कहा, हम कश्मीरी युवाओं से बातचीत करेंगे, लेकिन पाकिस्तान से जुड़े संगठनों से नहीं।

सोनम वांगचुक के समर्थन में लेह आए प्रकाश राज

बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज अपने जन्मदिन के अवसर पर केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह में पहुंचे। उन्होंने यहां पूर्ण राज्य सहित विभिन्न मांगों के लेकर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक सहित अन्य आंदोलनकारियों से मुलाकात की और उनके इस आंदोलन का समर्थन किया। अभिनेता ने कहा कि लद्दाख के लोग सिर्फ खुद के लिए नहीं, बल्कि हर देशवासी के हित के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रकाश राज ने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ लद्दाख के लिए नहीं है, सिर्फ सोनम वांगचुक के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के हित के लिए है। उन्होंने कहा कि पानी, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए जो संघर्ष यहां किया जा रहा है, वो किसी एक लिए नहीं है, बल्कि सारी जनता के लिए है। सरकार कुछ पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लद्दाख के लोगों की मांगों को पूरा नहीं कर रही है।

शिवम-रचिन के खेल से चेन्नई फिर सुपर

» गुजरात टाइटंस पर दूसरी धमाकेदार जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीए 2024 का मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में चेन्नई ने अपनी दूसरी धमाकेदार जीत दर्ज की। इस दौरान गुजरात को सीएसके के खिलाफ 63 रनों से हार झेलनी पड़ी। सीएसके ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाए। जिसके जवाब में गुजरात की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 143 रन ही बना सकी।

गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन साई सुदर्शन (37) ने बनाए। गुजरात टाइटंस पहली बार 50 रन से ज्यादा के मार्जिन से हारा। वहीं, चेन्नई ने 29वीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। प्लेयर ऑफ द मैच शिवम दुबे पिछले 2 साल में 41 आईपीएल सिक्स लगा चुके हैं, जो टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा है। चेन्नई ने रिकॉर्ड 29वीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। इससे पहले भी सीएसके टॉप पर ही थी। सीएसके के बाद आरसीबी ने सबसे ज्यादा 24 बार 200 से ज्यादा रन का टीम स्कोर पार किया है।

पिछले 2 साल में दुबे ने लगाए सबसे ज्यादा सिक्स

शिवम दुबे ने गुजरात के खिलाफ 5 सिक्स लगाए, इसी के साथ उनके 2023 के ढ्ढक्क्रु से अब तक कुल 41 सिक्स हो गए। सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले प्लेयर्स में वह पहले नंबर पर आ गए।उन्होंने फाफ डु प्लेसिस को पीछे किया। फाफ ने 2023 सीजन से अब तक 36 सिक्स लगाए हैं।

महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी को लेकर हिमाचल से बंगाल तक सियासी बवाल

» भाजपा व कांग्रेस में वार-पलटवार, टीएमसी ने भी बीजेपी को घेरा

» सीएम ममता बनर्जी व कंगना को लेकर विवाद गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा, कांग्रेस व टीएमसी में एक-दूसरे पर तीखा प्रहार जारी है। जहां रनौत और मंडी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद कांग्रेस निशाने पर है वहीं भाजपा नेता दिलीप घोष द्वारा बंगाल की सीएम पर टिप्पणी से टीमएसी के निशाने पर बीजेपी आ गई है।

रनौत मामले में ये टिप्पणियां पार्टी की नेता सुप्रिया श्रीनेत और एच.एस. अहीर के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट की गई थीं। बीजेपी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर विवाद जारी है।

प्रत्येक महिला सम्मान की हकदार है : कंगना

अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि प्रत्येक महिला, चाहे उसकी पृष्ठभूमि और पेशा कुछ भी हो, वह सम्मान की हकदार है। उनका यह बयान मंडी पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियों के बाद आया, जिसने एक बड़ा राजनीतिक विवाद छेड़ दिया है। रनौत हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही है और भाजपा उम्मीदवार के रूप में अपनी राजनीतिक पारी की भी शुरूआत कर रही है। अभिनेत्री ने कहा कि मंडी को दुनियाभर में अक्सर छोटा काशी कहा जाता है और इस निर्वाचन क्षेत्र पर अपमानजक टिप्पणियों से वह आहत हुई है। अभिनेत्री ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे के बाहर कहा, एक महिला का पेशा चाहे कुछ भी हो, वह शिक्षिका, अभिनेत्री, पत्रकार, राजनीतिक नेता या यौन कर्मी ही क्यों न हो, सभी सम्मान की हकदार है। बांसुरी स्वराज, अमित मालवीय और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सहित भाजपा के कई नेताओं ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

फर्जी अकाउंट के खिलाफ कार्रवाई करेंगी : श्रीनेत

विवाद पैदा होने पर कांग्रेस प्रवक्ता श्रीनेत ने सोमवार को अपने बचाव में कहा कि उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम खातों का संचालन कई लोग करते हैं और उनमें से किसी ने अनुचित पोस्ट की। उन्होंने कहा, जैसे ही मुझे पता चला मैंने वह पोस्ट हटा दी। जो लोग मुझे जानते हैं, वे यह भी अच्छी तरह जानते हैं कि मैं कभी भी किसी महिला के प्रति व्यक्तिगत और अशोभनीय टिप्पणी नहीं कर सकती। मैं जानना चाहती हूं कि यह कैसे हुआ। श्रीनेत ने यह भी कहा कि उनके नाम का इस्तेमाल करने वाले फर्जी अकाउंट के खिलाफ वह कार्रवाई करेंगी।

माफी मांगे घोष : शशि पांजा

पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने घोष से माफी की मांग की। शशि पांजा ने कहा कि उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए. यह टिप्पणियां बीजेपी खेमे के डीएनए को दर्शाती हैं, जिससे बीजेपी की स्त्रीद्वेषी मानसिकता की बू आती है।

अपनी पार्टी की कार्यवाही से मैं दुखी हूं : घोष

घोष ने मामले में पार्टी के स्पष्टीकरण मांगने को लेकर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि इससे दुख हुआ। बीजेपी सांसद दिलीप घोष ने कहा, मेरी भाषा को लेकर आपत्ति जताई गई है। मेरी पार्टी की ओर से स्पष्टीकरण मांगा गया है। ऐसा है तो मैं इसके लिए दुखी हूं, पार्टी के जारी किए नोटिस का जवाब मैं आधिकारिक रूप से दूंगा। दिलीप घोष ने बयान में कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ मेरी व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। यह मेरा राजनीतिक बयान था, लेकिन मैं प्रश्न करूंगा कि आपके नेता हमारे नेता (सुवेंदु अधिकारी) और उनके पिता को लेकर कई अपशब्द का प्रयोग कर चुके हैं, क्या उनका कोई मान-सम्मान नहीं है?, टीएमसी ने तब कोई आपत्ति नहीं जताई? सुवेंदु अधिकारी एक पुरुष हैं, क्या इसलिए उनके लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्द पर किसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई?।

पंजाब के 26 इलाकों में ईडी का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बुधवार को पंजाब के कई क्षेत्रों में छापेमारी की गई है। जानकारी के मुताबिक ईडी द्वारा ये छापेमारी अमरूद बाग घोटाला मामले में की गई है। इस मामले में विजिलेंस विभाग ने पहले मामला दर्ज किया था और करीब 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। यह मामला ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा अधिग्रहित जमीन पर लगे अमरूद के बागों के मुआवजे की आड़ में करीब 135 करोड़ रुपये के गबन से जुड़ा है।

» एक्साइज कमिश्नर के घर भी रेड

सूत्रों के मुताबिक ईडी द्वारा पंजाब के एक्साइज कमिश्नर के घर पर छापेमारी की गई है क्योंकि जिस वक्त ये घोटाला हुआ उस वक्त वो विभाग के चीफ अधिकारी थे। बता दें कि ईडी द्वारा पंजाब के 6 से 8 जिलों में करीब 26 लोकेशन पर यह रेड अभी भी जारी है। इसमें कुछ आईएएस अधिकारी उनकी पत्नियां और कुछ पीसीएस अधिकारी भी शामिल हैं। पंजाब के चंडीगढ़ के साथ-साथ भटिंडा, पटियाला, खरड़, बरनाला, मोहाली और फिरोजपुर में भी ईडी की रेड जारी है। वीबी ने 2023 में बाकरपुर गांव और मोहाली जिले के कुछ गांवों में कृषि भूमि का अधिग्रहण करके एयरोट्रोपोलिस शहर के विकास के लिए अधिग्रहित भूमि पर स्थित अमरूद के बागों के मुआवजे की आड़ में जारी किए गए लगभग 137 करोड़ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान पता चला कि कुछ लाभार्थी / जमीनों के मालिक जिन्होंने मुआवजे का दावा किया था, पहले से ही ग्रेटर मोहाली क्षेत्र विकास प्राधिकरण से संबंधित अधिकारियों को जानते थे और उन्हें पता था कि किन गांव में भूमि अधिग्रहण किया जाना है, मामले में आरोपियों ने अमरूद के पेड़ों का मूल्य निर्धारण बढ़ाने के लिए पौधों की उम्र 4 या 4 साल से अधिक बताई थी ताकि उन्हें फल देने वाले पेड़ के रूप में आंका जा सके।

मोरबी पुल हादसे के आरोपी जयसुख पटेल को सुप्रीम आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोरबी। एक अदालत ने मंगलवार को 2022 मोरबी सस्पेंशन ब्रिज ढहने के मामले में मुख्य आरोपी ओरेवा ग्रुप के सीएमडी जयसुख पटेल को जमानत दे दी और सुनवाई पूरी होने तक जिले में उनके प्रवेश पर रोक लगा दी क्योंकि इसमें सात शर्तें लगाई गई थीं।

उसकी रिहाई के लिए इस मामले के मुख्य आरोपी पटेल को प्रधान सत्र अदालत के न्यायाधीश पीसी जोशी के आदेश पर मोरबी उप-जेल से रिहा कर दिया गया था, कुछ दिनों बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनकी नियमित जमानत याचिका की अनुमति दी और ट्रायल कोर्ट को उनके लिए कड़े नियम और शर्तें तय करने का निर्देश दिया।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

» सुरक्षाबलों की इलाके में सघन तलाश जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए। पुलिस ने बताया कि आज सुबह बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षाकर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ में एक महिला समेत छह नक्सली मारे गए हैं।

जानकारी के अनुसार, बीजापुर जिले के चिकुरबत्ती-पुसबाका के पास वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। ये मुठभेड़ बासागुड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिकुरभट्टी और पुसबका गांवों के जंगलों में हुई। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में डीआरजी, सीआरपीएफ 229, कोबरा की टीम शामिल थी। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ खत्म होने के बाद घटनास्थल से एक महिला समेत छह नक्सलियों के शव बरामद किए गए। फिलहाल मौके पर तलाशी अभियान चल रहा है।

ग्रामीणों की हत्या के बाद चलाया ऑपरेशन

उल्लेखनीय तीन ग्रामीणों की हत्या के बाद सुरक्षाबलों की टीम पोलमपल्ली, चिपुरभट्टी इलाके में तलाशी अभियान पर निकली थी। इसी दौरान सुरक्षाबलों की टीम और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। बता दें कि बीजापुर जिला बस्तर लोकसभा क्षेत्र में आता है। यहां 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा।

बेकाबू कार डिवाइडर से टकराई, चार ने जान गंवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां नजीबाबाद में एक कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बिजनौर के कोतवाली मार्ग पर गुनियापुर के पास एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ है।

बताया गया कि हादसे में मारे गए सभी मृतक जनपद अमरोहा के गांव सरकड़ा के रहने वाले थे। फिलहाल पुलिस मृतकों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। कोतवाली से नजीबाबाद दिशा आ रही तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार में सवार चारों व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मृतकों में एक सिपाही और पिता-पुत्र बताए जा रहे हैं। पुलिस को कार से एक मृतक की परविंदर नाम की आईडी मिली है।

बिहार के आरा में लोकमान्य तिलक ट्रेन में लगी आग, लोगों ने बोगी से कूदकर बचाई जान

बिहार के आरा में लोकमान्य तिलक स्पेशल ट्रेन की एसी बोगी में लगी आग लगने की खबर आ रही है। कई यात्रियों ने ट्रेन से कूदकर जान बचाई। जानकारी के मुताबिक ट्रेन में शॉर्ट सर्किट से एक गाड़ी के एसी बोगी में आग लगी। दरअसल पूरा मामला बिहार के भोजपुर अंतर्गत दानापुर-पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलखंड के कारीसाथ स्टेशन के पास का बताया जा रहा है। जहां होली स्पेशल ट्रेन में आग लग गई। आग ट्रेन की एसी बोगी में लगी है। ट्रेन 01410 होली स्पेशल दानापुर से लोकमान्य तिलक जा रही थी। बताया जा रहा है कि दानापुर से मुंबई जा रही होली स्पेशल में रात लगभग 2 : 00 बजे अचानक शार्ट सर्किट हुआ और कुछ ही देर में ट्रेन के एसी बोगी में आग लग गई। होली की वजह से ट्रेन में यात्रियों की संख्या बेहद कम थी, इस कारण अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

लखनऊ के आस-पास जिलों में सड़क हादसों में 63 लोगों की मौत

लखनऊ के आस-पास जिलों में होली के दौरान पिछले 48 घंटे में 63 लोगों ने सड़क हादसों में जान गंवा दी। सबसे ज्यादा मौतें बाराबंकी और सीतापुर में हुईं। दोनों ही जिलों में अलग-अलग जगह नौ-नौ लोगों की हादसों में जान चली गई। इसके अलावा रायबरेली और बहराइच में आठ-आठ लोगों ने सड़क हादसों में दम तोड़ दिया। उधर अमेठी में चार लोगों की हादसों में मौत हुई जिसमें दो महिलाएं भी शामिल रहीं। यहां एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। वहीं गोंडा में होली के दौरान पिछले 48 घंटे में जिले में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में एक किशोर समेत पांच लोगों की मौत हो गई और पड़ोसी जिले बलरामपुर में भी दो लोगों की डूबकर मौत हो गई। सुल्तानपुर में भी बीते 48 घंटों में चार लोगों की सड़क हादसों में और एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। अंबेडकरनगर में छह अयोध्या में चार और श्रावस्ती में दो लोगों की जान हादसों में चली गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।